आइआइएम रांची के नये सत्र के विद्यार्थियों को केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने बताये सफलता के मूलमंत्र

उद्यमशील बनकर अपनी राह बनायें

रांची. केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने कहा है कि देश में एविएशन, निजी बैंक, वित्तीय सेवाएं और आइटी सबसे तेजी से बढ़ता हुआ सेक्टर है. यहां पर काम करनेवाले लोगों को 67164 डॉलर से लेकर 87700 डॉलर तक की आमदनी हो रही है. मयूरी प्रेक्षागृह में आइआइएम रांची के नये सत्र के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि हमारे देश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका, चीन की तुलना में काफी कम है. फार्मिंग से फ्रंटियर इंडस्ट्रीज की तरफ रूख करना होगा. इसके लिए छात्रों को उद्यमशील बन कर अपनी राह और देश के विकास के मॉडल का चुनाव करना होगा.

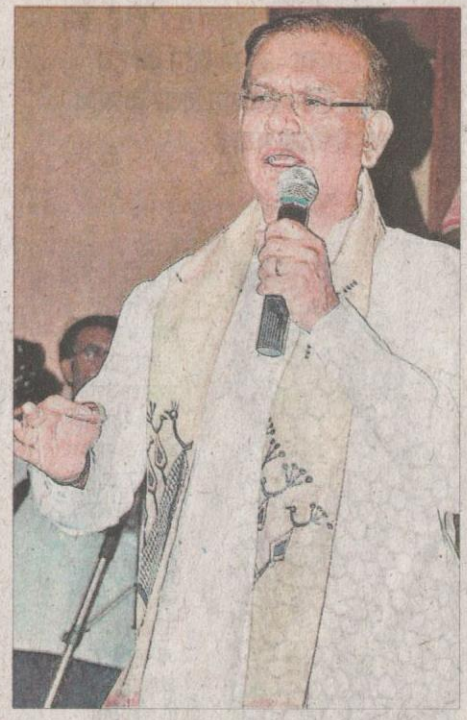

मयूरी प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने विद्यार्थियों को कई अहम जानकारियां दी.

Prabhat Khabar, 24.06.2018, Pg. 19

एचइसी टाउनशिप, प्रतिस्पर्द्धा और बदलाव का है बेहतर नमूना

मयूरी प्रेक्षागृह में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत में एचइसी टाउनशिप और अमूल प्रतिस्पर्द्धा और बदलाव का बेहतर नमूना है. देश में आर्थिक उदारीकरण और केंद्र सरकार की नीतियों से ई-कॉमर्स और ऑनलाइन मार्केटिंग का तेजी से विकास हुआ है. फ्लिपकार्ट, ओला, उबर, मिल्क मंत्रा, अमेजन, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक सरीखी कंपनियां तेजी से आगे बढ़ी हैं. कम समय में ही अमेजन ने 800 बिलियन डॉलर तक अपना कारोबार पहुंचा दिया है. टेलीकॉम सेक्टर में जिओ समेत अन्य कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं. श्री सिन्हा ने कहा कि विश्व में आइटी सेक्टर में एक करोड़ से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिल रहे हैं. भारत में अब एक गीगाबाइट (जीबी) डाटा सिर्फ 15 रुपये तक डाउनलोड हो रहा है. भारत के लोग हाइ स्पीड मोबाइल डाटा का उपयोग करने लगे हैं. देश में उड्डयन सेवाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं. इंडिगो, एयर विस्तारा, गो एयर, स्पाइस जेट सरीखी निजी विमान सेवा कंपनियां अपने पेशेवर अंदाज से व्यवसाय को बढ़ा रही हैं.

लो इनकम स्टेट है झारखंड

जयंत सिन्हा ने कहा कि झारखंड लो इनकम स्टेट है. महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडू जैसे राज्य मिडिल इनकम स्टेट हैं. यहां पर जाने से पता चलता है कि बिहार और झारखंड कितना पिछड़ा है. यहां चुनौतियों के अलावा कई और बाधाएं भी हैं, जिससे विकास नहीं हो रहा है. उन्होंने कहा कि चीन का शेन जेन शहर विश्व का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक हब है. आप जापान के टोक्यो से नागोया शहर जायेंगे, तो वहां विश्व का सबसे अच्छा औद्योगिक कोरिडोर देखने को मिलेगा. हमारे देश में प्रति व्यक्ति आय 1700 डॉलर है. यदि हम सात प्रतिशत की दर से सालाना विकास करेंगे, तो अगले 20 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय 6600 डॉलर तक पहुंच पायेगी. उन्होंने कहा कि चीन में प्रति व्यक्ति आय आठ हजार से 26 हजार डॉलर के बीच है. अमेरिका सात प्रतिशत के विकास दर के आधार पर 68 हजार से 85 हजार डॉलर तक पहुंच जायेगा. इस दौरान विद्यार्थियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री से करियर में आगे बढ़ने, देश के विकास, इज ऑफ डूइंग बिजनेस और अन्य सवाल भी पूछे. इस दौरान आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने जयंत सिन्हा का स्वागत किया.

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में अब पढ़ते हैं 45 भारतीय

श्री सिन्हा ने कहा है कि प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में अब प्रत्येक सत्र में 45 भारतीय पढ़ रहे हैं. 90 के दशक में मात्र तीन भारतीय स्टूडेंट ही इस बिजनेस स्कूल में पहुंच पाये थे. उनमें से मैं एक था, जो दिल्ली आइआइटी से पास आउट कर वहां गया था. दूसरा एक मेरा सहपाठी था, जो आइआइटी मुंबई से पहुंचा था. उदारीकरण के बाद ग्लोबल व्यवस्था में अब पांच प्रतिशत भारतीय हार्वर्ड पहुंच रहे हैं. बिजनेस स्कूल में 900 विद्यार्थियों का एडमिशन होता है. अब तो मेरा बेटा भी यहां से बिजनेस ग्रेजुएट बन गया है. विश्व बदल रहा है. पेशेवर करियर में भी काफी बदलाव आ रहा है.

हरेक मैनेजमेंट स्टूडेंट छह किताबें अवश्य पढ़ें

श्री सिन्हा ने कहा कि मैनेजमेंट के विद्यार्थी छह किताबें अवश्य पढ़ें. इनमें माइकल ई पोर्टर लिखित कंपेटिटिव एडवांटेजेज ऑफ नेशंस, युवाल नोराह हरारी की सेपीयंस, जॉन मैकमिलन की री इनवेंटिंग ऑफ बाजार, जैर्ड डायमंड की गंस, जर्म्स एंड स्टील, जेम्स ए रोबिंसन और डारोन एसेमोग्लू की ह्वाई नेशन फाल्स और द मेकिंग ऑफ इंडियन कंस्टीट्यूशन की किताबें शामिल हैं. इससे देशों के विकास, अर्थव्यवस्था और तरक्की की राह ढूंढने में मदद मिलेगी.

Prabhat Khabar, 24.06.2018, Pg. 19